University in News on 16 October 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : सीएसआईआर नेट में 18 विद्यार्थियों का चयन

लखनऊ। यूजीसी ने मंगलवार को सीएसआईआर नेट का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। इसमें लखनऊ विवि के 18 छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल की है। विवि की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, 18 विद्यार्थियों में 11 का चयन जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए हुआ है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सफल छात्र प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों में अनुसंधान कार्य के लिए पात्र होंगे। जेआरएफ छात्रों को छात्रवृत्ति भी मिलेगी। सफल होने वालों में जंतु विज्ञान विभाग के आठ, भूगर्भ विज्ञान के तीन, भौतिक विज्ञान के दो, वनस्पति विज्ञान के दो विद्यार्थी शामिल हैं। रसायन विज्ञान, गणित व इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोजन, एनर्जी एंड जियो रिसोर्स से एक-एक विद्यार्थी है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने शुभकामनाएं दीं।

इन्हें मिली सफलता : प्रत्यूष सिंह, सादिया सिद्दीकी, विभा यादव, नगमा, अनामिका जैन, आशुतोष यादव, सलोनी शुक्ला, श्रेयांश शुक्ला, तथागत त्रिपाठी, कुशाग्र सिन्हा व प्रतीक्षा ने जेआरएफ क्वालीफाई किया है। जबकि स्नेहलता बिंद, राखी, ज्योति सिंह, वर्तिका सिंह, ऋषि यादव, भावना व आलोक यादव सीएसआईआर नेट के लिए क्वालीफाई हुए है। (संवाद)

यूजी-पीजी के विद्यार्थी बनेंगे ब्रांड एबेंसडर

लखनऊ। लविवि के 104वें स्थापना दिवस पर 25 नवंबर को विशिष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार को लविवि के पूर्व छात्र फाउंडेशन की बैठक में निर्णय लिया गया कि विवि सभी विभागों को विशिष्ट विद्यार्थियों के नाम देने के लिए पत्र भेजेगा। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए पहले और चौथे सेमेस्टर के दो विद्यार्थियों को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया जाएगा। कुलपति ने प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव को आयोजन सचिव नियुक्त किया है। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी व सभी संकाय के डीन मौजूद रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

विवि की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए कर सकेंगे आवेदन

एलयू में नए ऑनलाइन कोर्स की फीस तय, पंजीकरण शुरू

प्रवेश प्रक्रिया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन पांच पाठ्यक्रमों की फीस भी तय कर दी है। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर पंजीकरण करा सकते हैं।

एलयू में लखनऊ यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन (एलयूसीओडीई) के तहत यूजी और पीजी स्तर पर ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने बीबीए और संस्कृत, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र व अंग्रेजी में पीजी पाठ्यक्रमों को शुरू करने की भी मंजूरी दे दी। विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2024-25 के तहत इन पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी एलयू की वेबसाइट पर एलयूसीओडीई सेक्शन में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए 250 रुपये शुल्क तय किया गया है। भुगतान ऑनलाइन किया जाएगा।

ऑनलाइन कोर्स में खास

- सीमित सीटों का प्रावधान नहीं।
- घर बैठे यूजी और पीजी डिग्री हासिल कर सकेंगे।
- रेगुलर के समकक्ष ही ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की डिग्री।
- स्टडी मटेरियल और लेक्चर मुहैया होंगे।
- ऑफलाइन माध्यम से परीक्षाएं होंगी।

परीक्षा शुल्क अलग

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार, एमए संस्कृत, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान के लिए आठ हजार रुपये सेमेस्टर फीस रखी गई है। बीबीए के लिए 15 हजार रुपये प्रति सेमेस्टर देय होगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा शुल्क अलग से लिया जाएगा।

बीकॉम और एमकॉम के लिए आवेदन जारी

एलयूसीओडीई के जरिए ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम के लिए आवेदन जारी हैं। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तय की गई है।

एकेटीयू: रिक्त सीटों पर पंजीकरण बस आज तक

लखनऊ। एकेटीयू से संबद्ध सरकारी और सरकारी स्ववित्तपोषित कॉलेजों की रिक्त सीटों के लिए पंजीकरण का अंतिम मौका बुधवार को रहेगा। इन कॉलेजों में शैक्षिक सत्र 2024-25 प्रवेश प्रक्रिया के तहत बीटेक, एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों के लिए कर सकते हैं। इसी तरह लेट्रल इंट्री के जरिए बीटेक, बीफार्मा और एमसीए दूसरे वर्ष में प्रवेश के लिए भी पंजीकरण का आखिरी मौका बुधवार को रहेगा। प्राविधिक विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, बीटेक में 1362, एमबीए में 522 और बीटेक लेट्रल इंट्री में 42 सीटें खाली हैं।

16 संस्कारों के लिए वेदों का अध्ययन जरूरी: प्रो. राम

एलयू के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग में मंगलवार से संगोष्ठी का आरंभ हुआ।

लखनऊ, संवाददाता। एलयू के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग और महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन की ओर से वैदिक संस्कार की उपयोगिता विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। एपी सेन प्रेक्षागृह में संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि जगद्गुरु रामान्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विवि जयपुर के कुलपति प्रो. राम सेवक दुबे ने किया। उन्होंने कहा कि जिसने वेद और वेदांगों का अध्ययन किया हो, वही व्यक्ति 16 संस्कारों को ग्रहण कर सकता है। व्यक्ति अपने पूर्व जन्म के संस्कारों को लेकर आता है। मनुष्य के सर्वांगीण विकास में संस्कारों की महती भूमिका है। तीनों कालों में संस्कारों की उपयोगिता प्रासंगिक है।

विशिष्ट अतिथि बेसवाडा पीजी कॉलेज रायबरेली के प्राचार्य डॉ. अमलधारी सिंह गौतम ने कहा कि चारों वेदों को अपनी लेखनी से जन-जान तक पहुंचाने वाले मनीषी आचार्य अमलधारी ने बताया है कि सारा ज्ञान वेदों में भरा पड़ा है। प्राचीन काल में ऋग्वेद की 25 शाखाएं थीं लेकिन अब सभी प्राप्य नहीं हैं। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि वेद में ज्ञान, संस्कार और जीवनशैली है। डॉ. गौरव सिंह, डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज समेत लगभग दो सौ छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।

टैगोर लाइब्रेरी में वैदिक सेक्शन की स्थापना करें

सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक राय ने की। उन्होंने कहा कि वेदों में हर चीज का वर्णन है और विश्वविद्यालय में वैदिक शोध होना चाहिए। नवीनीकृत टैगोर लाइब्रेरी में संस्कृत विभाग की मदद से वैदिक सेक्शन विकसित होना चाहिए। वहीं इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर के निदेशक प्रोफेसर सर्वनारायण झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति वेदों में निहित है। संस्कृत का संरक्षण होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष का विषय सभी विद्यालयों में होना चाहिए।

सीएसआईआर नेट में छाए एलयू के छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के डेढ़ दर्जन से ज्यादा छात्रों ने सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता हासिल की है।

सीएसआईआर की ओर से संयुक्त सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। अभ्यर्थी www.csirhrdg.res.in पर कैटेगरी वाइज रिजल्ट देख सकते हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जूनियर रिसर्च फेलोशिप, असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी दाखिले के लिए चयनित अभ्यर्थियों का विषय वार परिणाम अनुक्रमांक और रैंक से पीडीएफ में जारी किया है। प्रवक्ता प्रोफेसर श्रीवास्तव के मुताबिक कई विभागों के मेधावी उत्तीर्ण हुए हैं।

PIONEER PAGE 3

वेद और वेदांगों के जानकार ही 16 संस्कारों को ग्रहण करने के अधिकारी: जगद्गुरू रामान्दाचार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वैदिक संस्कार की उपयोगिता विषयक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एपी सेन प्रेक्षागृह में वैदिक संस्कार की उपयोगिता विषयक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (सेमिनार) का शुभारंभ किया गया। उदघाटन सत्र में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के प्रतिनिधि आकाश मिश्र और कुंजबिहारी पांडेय भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आरम्भ में आये हुये अतिथियों का वाचिक स्वागत संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अभिमन्यु सिंह ने किया । डॉ शतपथी ने सभी विद्वजनों को शाल, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस सत्र की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलपति प्रो आलोक राय ने कहा कि वेदों में हर चीज का वर्णन है और ऋग्वेद की 25 शाखाएं थीं लेकिन अब सभी प्राप्य नहीं हैं। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि वेद में ज्ञान, संस्कार और जीवनशैली है। डॉ. गौरव सिंह, डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज समेत लगभग दो सौ छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में वैदिक शोध होना चाहिए। नवीनीकृत टैगोर लाइब्रेरी में संस्कृत विभाग के सहयोग से एक वैदिक सेक्शन विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा भारत का गौरवशाली इतिहास रहा है और आगे भी रहेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, जगद्गुरू रामान्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो राम सेवक दुबे ने कहा कि जिसने वेद और वेदांगों का अध्ययन किया हो। वही व्यक्ति 16 संस्कारों को ग्रहण कर सकता है। रामसेवक ने कहा कि व्यक्ति अपने पूर्व जन्म के संस्कारों को लेकर आता है। मनुष्य के सर्वांगीण विकास में संस्कारों की महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि संस्कारों की उपयोगिता कालत्रयी है। यानि तीनों कालों में संस्कारों की उपयोगिता प्रासंगिक है। सारस्वत अतिथि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर के निदेशक प्रो सर्वनारायण झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति वेदों में निहित है। संस्कृत का संरक्षण होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष का विषय सभी विद्यालयों में होना चाहिए। संस्कारों को ग्रहण कर सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने पूर्व जन्म के संस्कारों को लेकर आता है। मनुष्य के सर्वांगीण विकास में संस्कारों की महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि संस्कारों की उपयोगिता कालत्रयी है। यानि तीनों कालों में संस्कारों की उपयोगिता प्रासंगिक है। यह समस्त जगत पुनरावर्तित है- गीता के एक श्लोक का उच्चारण करते हुए बताया कि पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति के लिए संस्कार अति आवश्यक है। संस्कार के द्वारा मानवीय आचरण सुसंस्कृत होता है। उन्होने यह साथ ही सभा को यह भी बताया कि पूर्वजन्म के संस्कार भी फलित होते हैं। संस्कारों का प्रमुख लक्ष्य मोक्षप्राप्ति है।

इन्होंने षोडश संस्कारों में गर्भाधान संस्कार का पर विशेष बल दिया। क्योंकि वहीं से सवकुछ निर्धारित होता है। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में गर्भाधान सरकार कैसे होता था । राष्ट्र की रक्षा ,वंश की रक्षा, कुल का निर्धारण, माता-पिता ,परिजन वंश की वृद्धि के लिए संस्कार को वैदिक विधि से करते थे। गर्भाधान के तीसरे महीने पश्चात पुंसवन संस्कार कोक्ष यज्ञ के माध्यम से कर उत्तम सन्तान के प्राप्ति की कामना करते हैं।

इन तरीकों का होगा प्रयोग

आंतरिक मूल्यांकन (इंटरनल एसेसमेंट) में समूह चर्चा (जीडी), फिल्ड रिपोर्ट, मानसिक योग्यता परीक्षण, प्रेजेंटेशन के साथ रील्स और मीम्स और वीडियो बनाने की छूट होगी। स्नातक पाठ्यक्रम में आंतरिक मूल्यांकन 25 नंबर का होता है। जिसमें 5 नंबर उपस्थिति और 20 नंबर मूल्यांकन के होते हैं। इसी प्रकार परास्नातक 30 नंबर का होता है। जिसमें 5 उपस्थिति और 25 नंबर आंतरिक मूल्यांकन के होते हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

मिडटर्म सेमेस्टर परीक्षा में छात्र बनाएंगे रील्स और वीडियो

लखनऊ विवि में व्यावहारिक परीक्षा पर होगा दिया जाएगा जोर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में कृषि विज्ञान की परीक्षा खेतों में और संगीत की परीक्षा वाद्य यंत्रों, सुर ताल से ली जाएगी। भूगर्भ विज्ञान की परीक्षा चट्टानों की पहचान कराकर ली जाएगी। विद्यार्थी अपने विषयों पर रील्स, वीडियो और मीम्स भी बना सकेंगे। यह प्रयोग नई शिक्षा नीति के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय मिड टर्म परीक्षा में करने जा रहा है।

पठन-पाठन से अधिक रोचक तरीके से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय ने प्रयोग शुरू किया है। इसके तहत विभिन्न विभागों में विद्यार्थियों को परीक्षा में अधीन क्रॉसवर्ड, पजल, वीडियो जैसी तकनीक का प्रयोग की छूट दी है। विषय के पाठ्यक्रम के अनुसार मिड टर्म एग्जाम के लिए मूल्यांकन के तरीकों में बदलाव किया गया है।

विद्यार्थियों के लिए लिखित परीक्षा का विकल्प भी रहेगा

विभाग विद्यार्थियों का मूल्यांकन करके आंतरिक परीक्षा में नंबर दे।

एकेडमिक्स विभाग की डीन प्रोफेसर गीतांजली मिश्रा ने कहा कि नई व्यवस्था के लिए शिक्षकों को पूरी छूट दी गई है,लिखित परीक्षा का विकल्प भी रखा गया है। छात्रों को उनकी पसंद के हिसाब से विकल्प दिया जाएगा। नई चीजों को सीखने में छात्रों को वक्त दिया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य है कि नए प्रयोगों से छात्र अधिक से अधिक सीखें और उनका विकास हो।

नई शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय

नई शिक्षा नीति लागू करने में लखनऊ विश्वविद्यालय को देश का पहला विश्वविद्यालय माना जाता है। आंतरिक परीक्षा के मूल्यांकन को लेकर नया प्रयोग भी विश्वविद्यालय में पहली बार किया जा रहा है। इसमें सभी विभाग के शिक्षकों को पूरी छूट दी गई है कि वह मौलिक तरीकों का प्रयोग कर छात्रों की प्रतिभा और परिश्रम का मूल्यांकन करेंगे। इन प्रयोगों का उद्देश्य है कि विद्यार्थी अधिक से अधिक विषय को समझ सकें।

कुलपति डॉ आलोक कुमार राय, डॉ डीआर साह, शिक्षक और छात्र-छात्राएं।

लोहिया के विचार आज भी प्रासंगिक : प्रो. आनंद

अमृत विचार, लखनऊ: राममनोहर लोहिया के 57 पुण्यतिथि पर लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें जेएनयू के पूर्व विभाग अध्यक्ष आनंद कुमार ने राष्ट्र निर्माण में डॉक्टर लोहिया के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आरंभ डॉ लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। प्रो आनंद ने कहा कि लोहिया के विचार उनकी मृत्यु के 60 वर्षों बाद में प्रासंगिक है। व्याख्यान के प्रतिम चरण में राष्ट्र निर्माण के लिए 11 सूत्री बात रखी और आज के समय में स्त्रियों को अपना आदर्श द्रौपदी को मानने की बात रखी। इसके साथ ही साथ देश के नवनिर्माण में युवाओं को आगे बढ़कर काम करना चाहिए। कुलपति प्रो आलोक राय, प्रो आनंद कुमार, प्रो डीं साहू, शोध छात्र फ्यू सिंह, रविकांत रघुराज, अखिलेश, अजय कुमार, आलोक, विक्रमादित्य आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉक्टर प्रतिभा राज और धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर पीके गुप्ता ने किया।

डॉ. दुर्गेश बने पूर्व छात्र फाउंडेशन के आयोजन सचिव

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय पूर्व छात्र फाउंडेशन की बैठक प्रशासनिक भवन के मंथन हॉल में कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय किया गया कि महासचिव द्वारा विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक पत्र भेजा जाय। जिसमें 104वें स्थापना दिवस 25 नवंबर 2024 को सम्मानित किए जाने वाले विशिष्ट पूर्व छात्रों के नाम और परास्नातक सेमेस्टर के छात्रों से ब्रांड एंबेसडर के लिए नामांकन आमंत्रित किया जाए। प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग को स्थापना दिवस 2024 के लिए आयोजन सचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद स्थापना दिवस से सम्बंधित आयोजन समिति का गठन भी किया शीघ्र ही किया जाएगा।

नेट उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को कुलपति ने दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ: सीएसआईआर, नेट उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को लखनऊ विवि के कुलपति डॉ आलोक कुमार राय ने बधाई दी है।

प्राणी शास्त्र विभाग में प्रत्यूष सिंह, सादिया सिद्धिकी, विभा यादव, नगमा, अनामिका जैन, आशुतोष यादव, आलोक यादव और भावना ने जेआरएफ उत्तीर्ण किया है।

भूगर्भ विज्ञान में सलोनी शुक्ला, रिसी यादव, वर्तिका सिंह और हाईड्रोकार्बन से ज्योति प्रकाश सिंह, रसायन शास्त्र से स्नेहलता बिंद, गणित में श्रेयांश शुक्ला, भौतिकी में तथागत त्रिपाठी, राखी ने उत्तीर्ण किया है। वनस्पति विज्ञान में कुशाग्र सिंहा, प्रतीक्षा ने नेट जेआरएफ उत्तीर्ण करके विश्वविद्यालय को गौरान्वित किया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि पूर्व छात्र फाउंडेशन की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पूर्व छात्र फाउंडेशन की बैठक प्रशासनिक भवन स्थित मंथन सभागार में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कुलपति ने कहा कि फाउंडेशन के महासचिव द्वारा विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक पत्र भेजा जाए। जिसमें 25 नवंबर को होने वाले 104वें स्थापना दिवस पर सम्मानित किए जाने वाले विशिष्ट पूर्व छात्रों के नाम और परास्नातक प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के छात्रों से फाउंडेशन के ब्रांड एंबेसडर के लिए नामांकन आमंत्रित किये जाए। इस दौरान प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग को स्थापना दिवस के लिए आयोजन सचिव नियुक्त किया गया। बैठक में कुलपति ने बताया कि स्थापना दिवस से सम्बंधित आयोजन समिति का गठन भी जल्द किया जाएगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के 18 मेधावी सीएसआईआर और नेट में चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने सीएसआईआर और नेट के परिणामों में अपना परचम लहराया है। जानकारी के अनुसार इन परीक्षाओं में विभिन्न विभागों से 18 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसकी जानकारी देते हुए लविवि प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसमें जूलॉजी से प्रत्युश सिंह, सादिया सिद्दकी, विभा यादव, नगमा, अनामिका जैन, आशुतोष यादव, आलोक यादव, भावना है। वहीं, ज्योलॉजी से सालोनी शुक्ला, रिषि यादव और वर्तिका सिंह हैं। जबकि इंस्टिट्यूट ऑफ हायड्रोकार्बन एनर्जी एंड जियो-रिसोर्सेज से ज्योति प्रकाश, कैमेस्ट्री से स्नेहलता बिंद, मैथेमेटिक्स से श्रेयांश शुक्ला, फिजिक्स से तथागत त्रिपाठी व राखी और बॉटनी से कुशाग्र सिन्हा व प्रतीक्षा हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी है।

प्रो. दुर्गेश लविवि स्थापना दिवस के लिए आयोजन सचिव नियुक्त

लखनऊ।लखनऊ विश्वविद्यालय पूर्व छात्र फाउंडेशन (एलयूएफ) की बैठक मंगलवार को प्रशासनिक भवन के मंथन हॉल में कुलपति व एलयूएफ अध्यक्ष प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें महासचिव (एलयूएफ) द्वारा विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक पत्र भेजा जाय, जिसमें 104वें स्थापना दिवस (25 नवंबर) पर सम्मानित किये जाने वाले विशिष्ट पूर्व छात्रों के नाम और परास्नातक प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के छात्रों से एलयूएफ के ब्रांड एंबेसडर के लिए नामांकन आमंत्रित किया जाए। वहीं, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग (एआईएचए) को स्थापना दिवस 2024 के लिए आयोजन सचिव नियुक्त किया गया। इसके बाद स्थापना दिवस से सम्बंधित आयोजन समिति का गठन भी किया शीघ्र ही किया जाएगा।

एनसीसी एडीजी ने लविवि का किया निरीक्षण

लखनऊ।64 यूपी बटालियन, लखनऊ विश्वविद्यालय एनसीसी में एडिशनल डायरेक्टर जनरल (एडीजी), मेजर जनरल एस. चावला का आगमन हुआ। इसमे उन्होंने एनसीसी द्वारा विभिन्न प्रकार की होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी तथा 64 यूपी बटालियन एवं 63 यूपी बटालियन में लगे राइफल-शूटिंग सिमुलेटर का निरीक्षण किया, जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने राइफल सेमुलेटर पर फायरिंग कर के डैमो भी दिया। उनके आगमन पर सम्मान स्वरूप 64 यूपी बटालियन के कैडेट्स ने उन्हे गार्ड ऑफ हॉनर दिया। इस कार्यक्रम के दौरान लखनऊ ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा, 64 यूपी बीएन के कमान अधिकारी कर्नल पीपीएस चौहान, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल एसके धवन, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टीनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव, सूबेदार मेजर भूपेन्द्र सिंह धामी, नायब सूबेदार राम किशन एवं 64 यूपी बीएन की जीसीआई शिवानी एवं अन्य स्टाफ भी मौजूद रहे।

LOKSATYA PAGE 2

हैंडवॉश डे पर एलयू ने शुरू किया स्वच्छ हाथ, स्वस्थ समाज अभियान

लखनऊ, लोकसत्य। स्वच्छ हाथ आपको धनी बना सकते हैं क्योंकि जब आप अपने हाथों की स्वच्छता पर ध्यान देंगे तब आप बीमार कम पड़ेंगे और जब बीमार कम पड़ेंगे तब आपका बहुत सारा धन हस्पताल और दवाइयों पर खर्च नहीं होगा और बचत का ये पैसा आपको धनी बनाएगा." ये वक्तव्य लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने आज समाज कार्य विभाग एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विश्व हस्त प्रक्षालन दिवस (Global Handwashing Day) के अवसर पर स्वच्छ हाथ-स्वस्थ समाजइ अभियान के अंतर्गत दिया। यह कार्यक्रम स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ हाथों से होने वाले फायदों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना और संक्रमण की रोकथाम में हाथ धोने के महत्व को समझाना था।

एलयू में एडीजी, एनसीसी ने किया निरीक्षण

लखनऊ, लोकसत्य। 64 यू.पी बटालियन, लखनऊ विश्वविद्यालय एन.सी.सी. में एडिशनल डायरेक्टर जनरल, मेजर जनरल एस. चावला का आगमन हुआ जिसमे उन्होंने एनसीसी द्वारा विभिन्न प्रकार की होने वाली गतविधियों के बारे में जानकारी दी तथा 64 यू.पी बटालियन एवं 63 यू.पी. बटालियन में लगे राइफल-शूटिंग सिमुलेटर का निरीक्षण किया जिसमे एनसीसी कैडेट्स ने राइफल सेमुलेटर पर फायरिंग कर के डैमो भी दिया । उनके आगमन पर सम्मान स्वरूप 64 यू पी बटालियन के कैडेट्स ने उन्हे गार्ड ऑफ हॉनर दिया।

संस्कार से मानवीय आचरण सुसंस्कृत होता है: प्रो. राम सेवक

शिक्षा

- **लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग**

लखनऊ, लोकसत्य। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एपी सेन प्रेक्षागृह में ''वैदिक संस्कार की उपयोगिता'' विषयक त्रिदिवसीय (15 अक्टूबर-17 अक्टूबर 2024) राष्ट्रिय संगोष्ठी (सेमिनार) का आयोजन किया गया। उद्घाटन वैदिक मंगलाचरण से हुआ।

उद्घाटन सत्र में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के प्रतिनिधि आकाश मिश्र और कुंजबिहारी पांडेय भी उपस्थित रहे । अतिथियों का वाचिक स्वागत संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, के अध्यक्ष एसोसियट प्रो अभिमन्यु सिंह ने किया । डॉ शतपथी ने सभी विद्वजनों को शाल, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो आलोक राय ने कहा- कि वेदों में हर चीज का वर्णन है और विश्वविद्यालय में वैदिक शोध होना चाहिए। आपने कहा नवीनीकृत टैगोर लाइब्रेरी में संस्कृत विभाग के सहयोग से एक वैदिक सेक्शन विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा भारत का गौरवशाली इतिहास रहा है और आगे भी रहेगा। कार्यक्रम के मुख्यातिथि, जगद्गुरूरामान्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो राम सेवक दुबे ने कहा कि जिसने वेद और वेदांगों का अध्ययन किया हो । वही व्यक्ति 16 संस्कारों को ग्रहण कर सकता है । रामसेवक ने कहा कि व्यक्ति अपने पूर्व जन्म के संस्कारों को लेकर आता है । मनुष्य के सर्वांगीण विकास में संस्कारों की महती भूमिका है । उन्होंने कहा कि संस्कारों की उपयोगिता कालत्रयी है। यानि तीनों कालों में संस्कारों की उपयोगिता प्रासंगिक है। यह समस्त जगत पुनरावर्तित है- गीता के एक श्लोक का उच्चारण करते हुए बताया कि पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति के लिए संस्कार अति आवश्यक है। संस्कार के द्वारा मानवीय आचरण सुसंस्कृत होता है। उन्होने यह साथ ही सभा को यह भी बताया कि पूर्वजन्म के संस्कार भी फलित होते हैं। संस्कारों का प्रमुख लक्ष्य मोक्षप्राप्ति है।

इन्होंने षोडश संस्कारों में गर्भाधान संस्कार का पर विशेष बल दिया। क्योंकि वहीं से सवकुछ निर्धारित होता है। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में गर्भाधान सरकार कैसे होता था । राष्ट्र की रक्षा ,वंश की रक्षा, कुल का निर्धारण, माता-पिता ,परिजन वंश की वृद्धि के लिए संस्कार को वैदिक विधि से करते थे। गर्भाधान के तीसरे महीने पश्चात पुंसवन संस्कार कोक्ष यज्ञ के माध्यम से कर उत्तम सन्तान के प्राप्ति की कामना करते हैं।

HT PAGE 3

Three-day meet on Vedic Sanskar begins

LUCKNOW: A three-day national seminar on 'Utility of Vedic Sanskar' began at AP Sen Auditorium of Lucknow University. It is being organised by the Sanskrit and Prakrit Language Department of LU in association with Maharshi Sandipani Rashtriya Ved Vidya Pratishthan, Ujjain. At the seminar LU V-C Prof Alok Kumar Rai announced that a Vedic section will be developed in the Tagore Library in collaboration with the Sanskrit Department soon.